DATE :- 12-09-2025

RAJASTHAN PATRIKA, PAGE-04, SURAT

प्रोजेक्ट 17 किलोमीटर के रूट पर बैरिकेडिंग हटने के बाद वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए उठाया कदम

सूरत मेट्रो रेल के पिलरों पर लग रही है हाई-विजिबल हजार्ड स्ट्रिप्स

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. सूरत में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा हैं। 40 किलोमीटर लंबे मेट्रो नेटवर्क में करीब 31 किलोमीटर हिस्से पर निर्माण के लिए बैरिकेडिंग लगाई गई थी। अधिकारियों के मुताबिक इसमें से 17 किलोमीटर का मार्ग बैरिकेडिंग से मुक्त हो चुका है। इसलिए वाहनों की सुरक्षा के लिए मेट्रो रेल के पिलरों पर हाई-विज़िबल हजार्ड स्ट्रिप्स लगाने का कार्य शुरू हो चुका हैं।

जानकारी के अनुसार सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में अब सुरक्षा को लेकर नई पहल की गई है। एक ओर जहां-जहां निर्माण कार्य पूरा कर बैरिकेडिंग हटाई जा चुकी है, वहां मेट्रो पिलरों को वाहनों के लिए और ज्यादा सुरक्षित बनाने पर जोर दिया जा रहा है। पिलरों के निचले हिस्से पर येलो-ब्लैक हजार्ड मार्किंग स्ट्रिप लगाने का कार्य शुरू किया गया है। इससे सड़क से होकर गुजरने वाली वाहन चालकों को दूर से ही पिलरों को पहचान सकेंगे। सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में 40 किलोमीटर लंबे मेट्रो नेटवर्क में करीब 31 किलोमीटर हिस्से पर निर्माण के दौरान बैरिकेडिंग लगाई गई थी। अब तक लगभग 17 किलोमीटर मार्ग बैरिकेडिंग मुक्त हो चुका है और वहां हजार्ड स्ट्रिप लगाने का काम तेजी से चल रहा है। मेट्रो रेल प्रशासन का कहना है कि दिसंबर तक 20 किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह बैरिकेडिंग से मुक्त हो जाएगा और सुरक्षा की यह नई व्यवस्था वहां लागू होगी। जानकारों ने बताया कि यह तकनीक हाईवे और फ्लाईओवर पर भी अपनाई जाती है। रात में जब वाहनों की हेडलाइट इन स्ट्रिप्स पर पड़ती है, तो यह चमक उठती हैं।

मेट्रो रेल के पिलरों पर लगाई जा रही हाई-विजिबल हजार्ड स्ट्रिप्स

भूमिगत सुरंग निर्माण चुनौतीपूर्ण

गौरतलब है कि सूरत मेट्रो परियोजना में चौक बाजार, मस्कती अस्पताल और सूरत रेलवे स्टेशन तक के खंड में सुरंगों और भूमिगत मेट्रो स्टेशनों के निर्माण का कार्य लगभग 942.16 करोड़ रुपए से हो रहा है। शहर के व्यस्त यातायात, शहर के पुराने किला क्षेत्र में आवासीय और व्यावसायिक भवनों और शहरी निवासियों की निरंतर आवाजाही और शहर के नीचे की जटिल भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए, मेट्रो परियोजना के लिए भूमिगत सुरंगों का निर्माण सबसे चुनौतीपूर्ण कार्यों में से एक है। हाल में ही सूरत मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत चौक बाजार स्टेशन पर डाउन लाइन सुरंग का सफलतापूर्वक निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।